होना था। हाल के महीनों में रुपए की विनिमय दर में अवमूल्यन ने 1993-94 से आरम्भ हुए वास्तविक अधिमूल्यन को सही किया है। भारत में मुद्रास्फीति की दर में हाल ही में महत्वपूर्ण रूप से गिरावट आकर यह 4.5 प्रतिशत से कम रह गई है।

Package on Rupee Slide

62. SHRI O.P. KOHLI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the Reserve Bank of India is under pressure from the Commerce Ministry and the leading Chambers of the country to alter its latest package on rupee slide to take care of the demands of the exporters;

(b) if so, the details thereof;

(c) the reaction of Government thereto;

(d) whether there is any proposal to alter the package and if so, the reasons therefor;

(e) whether the exporters have adopted unfair means to loot the exchaquer and is there any proposal to tighten the law on them; and

(f) the details of cases of irregularities pending in the Banks in the matter of foreign exchange, bank-wise?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (DR. DEBIPROSAD PAL): (a) to (d) The Ministry of Commerce has been receiving representations from individual exporters as well as export and trade associations expressing concern over the latest package of measures announced by the RBI on 7.2.1996. The RBI monitors developments in the foreign exchange market closely and continuously and, in consultation with the Government, undertakes measures to correct market behaviour which is out of alignment with fundamentals. The measures undertaken by the RBI recently are addressed at the lags and leads in receipts and payments which have adversely affected market flows. These measures are intended to accelerate net receipt of foreign exchange and are expected to bring about stability in the foreign exchange market. The RBI would continue to minitor the foreign exchange market and undertake policy measures and/or changes in the existing measures to counter excessive volatility in the exchange rate and to maintain orderly market conditions.

(e) In the recent period, it has been observed that there has been a tendency on the part of exporters to delay realisation of export proceeds. In terms of Rule 8 of the Foreign Exchange Regulation Rules, 1974, the amount representing the full export value of the goods exported shall be realised and be paid by the exporters to the authorised dealer on the due date for payment or within six months from the date of shipment of the goods, whichever is earlier. Failure to comply with this statutory obligation would invite punitive action under the Foreign Exchange Regulation Act. The Reserve Bank of India has also decided to monitor cancellation of forward contracts booked by authorised dealers for amounts of US $100,000 and above. Such cancellations are required to be reported to the Reserve Bank of India on a weekly basis. The Reserve Bank has also decided to monitor the US Dollar/India rupee intra-day trading transactions of authorised dealers.

(f) The requisite information is being collected and will be placed on the Table of the House as early as possible.

हरियाणा में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का खोला जाना

63. श्री रामजीलाल: क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गांवों में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक खोले जाने सम्बन्धी मानदण्ड क्या हैं और उनके दायित्व क्या है;

(ख) क्या ये सभी बैंक देश के ग्रामीण लोगों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप ऋण और अन्य बैंकिंग सहायता प्रदान करते हैं; और

(ग) हरियाणा स्थित इन बैंकों को ग्रामीण लोगों से अब तक कुल कितने ऋण-आवेदन-पत्र प्राप्त हुए हैं तथा इन लोगों को कितनी अवधि के भीतर ऋण दे दिया गया अथवा ऋण देने से मना कर दिया गया?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० देबी प्रसाद पाल): (क) देश में 196 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक हैं। 1987 से कोई नया क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक नहीं खोला गया है। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक खोलने के लिए निम्नलिखित कारकों को ध्यान में रखा जाता है:

(i) सीमांतिक किसानों के कृषि ऋणों के प्रयोजन के लिए ऋण अंतराल की राशि, (ii) जिले में सहकारी ऋण संस्थाओं की संख्या (iii) ऋण निवेश के लिए लोगों की ऋण की जरूरतें, (iv) वर्तमान सेवा क्षेत्र का कवरेज आदि।

कुछ अन्य महत्वपूर्ण कारक नीचे दिए गए हैं:

(i) छोटे और सीमांतिक किसानों का अधिक अनुपात (ii) कृषि मजदूरों और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों की जनसंख्या का अधिक अनुपात (iii) सहकारी समितियों की अधिक अतिदेय राशियां और सहकारी समितियों द्वारा प्रदान किए गए प्रति हेक्टेयर अल्पावधिक ऋणों का निम्न स्तर (iv) वाणिज्यिक बैंकों का शाखा नेटवर्क (v) क्षेत्र का पिछड़ापन/क्षेत्र में उपलब्ध उपयुक्त क्षमता।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का प्रमुख उद्देश्य मुख्यतः लघु एवं सीमान्त किसानों, कृषि श्रमिकों, शिल्पियों और छोटे उद्यमियों को कृषि, व्यापार, उद्योग एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अन्य उत्पादकता के लिए ऋण तथा अन्य सुविधाएं देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को विकसित करना है।

(ख) राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने सूचना दी है कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के पास दिनांक 31.3.95 की स्थिति के अनुसार, 125.92 लाख ऋण खाता में कुल 6290.22 करोड़ रुपए की ऋण राशि बकाया है। लघु एवं सीमान्त किसानों तथा समाज के अन्य कमजोर वर्गों को दिए गए ऋण का काफी प्रतिशत क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा दिया जाता है।

(ग) हरियाणा में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा प्राप्त ऋण-आवेदन पत्रों की संख्या के संबंध में आंकड़े नाबार्ड के पास उपलब्ध नहीं है। तथापि, दिनांक 31.3.94 की स्थिति के अनुसार हरियाणा में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के 435,996 ऋण खातों में कुल बकाया अग्रिम राशि 165.10 करोड़ रुपए है। वर्ष 1993-94 के दौरान 45883 खातों में 58.04 करोड़ रुपए के ऋण दिए गये। भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गनिर्देशों के अनुसार बैंकों से अपेक्षा की जाती है कि वे 25,000/- रुपए से कम के ऋण आवेदन पत्रों को 2 सप्ताह के भीतर निपटा दें। 25,000 रुपए से अधिक के ऋण आवेदन पत्र 8 से 9 सप्ताह के अंदर निपटाए जाने चाहिए।

विदेशी ऋण और सकल घरेलू उत्पाद

64. **श्री राम जेठमलानी:**
श्रीमती सुषमा स्वराज:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गत कुछ वर्षों से देश पर विदेशी ऋणों की राशि में निरंतर वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1990-91 के दौरान देश पर कुल कितना विदेशी ऋण था तथा यह उस वर्ष के सकल घरेलू उत्पाद का कितना प्रतिशत था; और

(ग) वर्ष 1995-96 के दौरान अनुमानित विदेशी ऋण कितना है और यह इस वर्ष के सकल घरेलू उत्पाद का कितना प्रतिशत होगा?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० देबी प्रसाद पाल): (क) पिछले कई वर्षों से बढ़ते रहने के बाद अमरीकी डालर के रूप में, विदेशी ऋण में 31.3.95 से 30.9.95 के बीच 5.2 बिलियन अमरीकी डालर की कमी आई।

(ख) 31.3.1991 को कुल विदेशी ऋण 83.8 बिलियन अमरीकी डालर होने का अनुमान है। यह 1990-91 के सकल घरेलू उत्पाद का 30.4 प्रतिशत बनता है।

(ग) अद्यतन अनुमानों के अनुसार 30.9.95 को कुल बकाया विदेशी ऋण 93.8 बिलियन अमरीकी डालर है। यह 1995-96 के अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद का 29.4 प्रतिशत बनता है।

Depreciation of Rupee Against U.S. Dollar

65. SHRI RAM NATH KOVIND: Will the Minister of FINANCE be pleased to state: